

अनचाहा वि. (देश.) 1. जिसकी चाह या इच्छा न की गई हो, अनिच्छित 2. अप्रिय।

अनचिंता वि. (तद्.) जो विचारा, सोचा न गया हो, चिंतारहित।

अनचीता वि. (तद्.) 1. जिसके विषय में पहले विचार न किया गया हो 2. अनचाहा।

अनचीन्हा वि. (तद्.) अपरिचित, अजनबी, अनजाना, अचिह्नित, अनचीता।

अनचेता वि. (तद्.) न सोचा हुआ, अचिंतित।

अनछिला वि. (तद्.) बिना छिला हुआ, छिलके सहित।

अनछुआ वि. (तद्.) जिसे छुआ न गया हो, जिसे स्पर्श न किया गया हो, अस्पष्ट।

अनजन्मा वि. (तद्.) जिसका जन्म न हुआ हो, जिसने कभी जन्म न लिया हो, अजन्मा, परमात्मा।

अनजला वि. (तद्.) जो जला न हो, अनजली लकड़ी, अनजला सामान।

अनजान वि. (तद्.) 1. जिसे जानकारी न हो 2. अनभिज्ञ 3. नासमझ, नादान, सीधा, भोला-भाला 4. अज्ञात, बिना जाना हुआ, जिसके बारे में जानकारी न हो 5. अपरिचित।

अनजाने क्रि.वि. (तद्.) बिना जाने हुए, बिना समझे हुए, अज्ञान से।

अनजाया वि. (तद्.) अजन्मा, अजात।

अनजोखा वि. (तद्.) बिना जोखा हुआ, बिना तौला हुआ, जिसकी जांच-परख न की गई हो।

अनत वि. (तत्.) 1. सीधा, न झुका हुआ 2. अनम्र क्रि.वि. (तद्.) अन्यत्र, और कहीं, दूसरी जगह, भिन्न स्थान में।

अनति वि. (तत्.) 1. बहुत नहीं, थोड़ा। स्त्री. (तत्.) 1. नम्रता का अभाव, विनीत भाव का न होना 2. झुकाव का न होना 3. अहंकार।

अनतिक्रमणीय वि. (तत्.) जिसका उल्लंघन या अतिलंघन स्वीकार्य या संभव न हो। inviolable

अनतिदूर क्रि.वि. (तत्.) (स्त्री.) बहुत दूर नहीं, कुछ ही दूरी पर।

अनतिविलंबिता स्त्री. (तत्.) बहुत विलम्ब या देरी न होना।

अनतिविस्तार वि. (तत्.) थोड़ा कम विस्तार, संक्षेप।

अनदेखा वि. (तद्.) अदेखा, अदृष्ट, बिना देखा हुआ।

अनदेखी स्त्री. (तत्.) उपेक्षा, ध्यान न देने का भाव।

अनद्य पुं. (तत्.) सफेद सरसों वि. जो खाने योग्य न हो, अखाद्य।

अनद्यतन वि. (तत्.) आज से पहले या बाद का, आज से संबंध न रखनेवाला, जो आज तक का न हो अर्थात् पुराना हो, जो अधुनातन या नवीनतम नहीं है।

अनद्यतन भूत पुं. (तत्.) जो अद्यतन न हो, अर्थात् पुराना भाषा. भूतकाल का वह (क्रिया) रूप जो आज की बीती घटनाओं को न बता कर आज से पहले की बीती घटनाओं को बताता हो, संस्कृत में लङ् लकार।

अनधिक वि. (तत्.) 1. जो अधिक न हो, निर्दिष्ट मात्रा या सीमा से अधिक नहीं 2. पूर्ण 3. असीम 4. जिससे बढ़कर न हो 5. जिसे बढ़ाया न जा सके 6. अल्प बाणि. दर्शित या अंकित राशि से किसी दशा में अधिक नहीं।

अनधिकार पुं. (तत्.) 1. अधिकार का अभाव, अधिकार-सीमा में न होना 2. प्रभुत्व का अभाव। वि. (तत्.) अधिकार-रहित, बिना अधिकार का।

अनधिकार चर्चा स्त्री. (तत्.) 1. बिना किसी अधिकार या योग्यता के किसी विषय पर बोलना 2. जिस विषय में ज्ञान न हो, उसमें टाँग अड़ाना।

अनधिकार चेष्टा स्त्री. (तत्.) बिना किसी अधिकार के कोई कार्य करना या करने का प्रयत्न करना।

अनधिकार प्रवेश पुं. (तत्.) जहां जाने का अधिकार न हो वहां जाना।